INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL
ISSN NO : 2230-7850
IMPACT FACTOR : 5.1651 (UIF)
VOLUME - 15 | ISSUE - 3 | APRIL – 2025

टीकमगढ़ जिले में परिवहन, संचार एवं मनोरंजन की सुविधाएँ : एक अध्ययन

प्रदीप कुमार बाल्मीक
शोधार्थी भूगोल
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

डॉ. दिनेश प्रसाद मिश्र
सहायक प्राध्यापक भूगोल
इन्द्रा स्मृति महाविद्यालय, न्यू रामनगर, सतना (म.प्र.)

सारांश –

टीकमगढ़ जिला मध्यप्रदेश राज्य का एक प्रमुख जिला है, जो न केवल ऐतिहासिक महत्व रखता है बल्कि यहाँ की जनसंख्या और विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य टीकमगढ़ जिले में परिवहन, संचार और मनोरंजन सुविधाओं का विश्लेषण करना है। जिले में राष्ट्रीय राजमार्गों और जिला मार्गों का जाल फैला हुआ है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों तक पहुँचने में सहूलियत होती है। हालांकि, कुछ दूरदराज क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति बेहतर करने की आवश्यकता है। रेलवे स्टेशन भी जिले में स्थित है, जो मुख्य शहरों से जुड़ा हुआ है। बस सेवाएं भी नियमित रूप से उपलब्ध हैं, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आवागमन को सरल बनाती हैं। जिले में संचार सुविधाओं का नेटवर्क समय के साथ बेहतर हुआ है। मोबाइल नेटवर्क के विस्तार से यहाँ के लोग बेहतर संचार साधनों का उपयोग कर पा रहे हैं। इंटरनेट सेवाओं का विस्तार भी हुआ है, लेकिन कुछ ग्रामीण इलाकों में अभी भी इन सेवाओं की पहुंच में कमी है। संचार की गति और इंटरनेट की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है। मनोरंजन के क्षेत्र में टीकमगढ़ में फिल्मों, थिएटर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था सीमित है। हालांकि, जिले में कुछ सिनेमाघर और पार्क हैं, जहाँ लोग अपने अवकाश का समय बिता सकते हैं। लेकिन, बड़े शहरी केंद्रों की तुलना में मनोरंजन सुविधाओं की कमी महसूस होती है। जिले में खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास किए जा सकते हैं।

मुख्य शब्द – टीकमगढ़ जिला, परिवहन, संचार एवं मनोरंजन।

प्रस्तावना –

टीकमगढ़ जिला मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित है और यहाँ की परिवहन, संचार एवं मनोरंजन सुविधाएँ धीरे–धीरे विकसित हो रही हैं। हालाँकि, अभी भी कई क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को सुधारने की आवश्यकता है। टीकमगढ़ जिले में सड़कों का अच्छा नेटवर्क है, जो जिले को मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों से जोड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग और राज्य राजमार्गों के माध्यम से टीकमगढ़, झाँसी, छतरपुर और सागर से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण सड़कों के विकास के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कई सड़कें

बनाई गई हैं, जिससे गाँवों तक आवागमन आसान हुआ है। हालाँकि, कई आंतरिक गाँवों में अब भी असमान और कच्ची सड़कों की समस्या बनी हुई है।

टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन जिले को झाँसी, खजुराहो, भोपाल और दिल्ली से जोड़ता है। रेल सुविधाओं में अभी और सुधार की आवश्यकता है, क्योंकि जिले में सीमित रेल सेवाएँ उपलब्ध हैं। रेल नेटवर्क को और विस्तार देने से आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। टीकमगढ़ में कोई हवाई अड्डा नहीं है। सबसे नजदीकी हवाई अड्डा खजुराहो (करीब 125 किमी.) और ग्वालियर (200 किमी) में स्थित है। पर्यटन और व्यापार के लिए एक छोटे हवाई अड्डे की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

जिले में बीएसएनएल, जियो, एयरटेल और वोडाफोन जैसी कंपनियों की मोबाइल सेवाएँ उपलब्ध हैं। शहरों में इंटरनेट कनेक्टिविटी अच्छी है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। डिजिटल इंडिया पहल के तहत इंटरनेट कनेक्शन और डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

जिले में डाकघर और कूरियर सेवाएँ (डाक विभाग, DTDC, Blue Dart, आदि) उपलब्ध हैं। ई–मेल, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल संचार माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ई–गवर्नेंस सेवाएँ (CSC केंद्र, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिलॉकर) भी धीरे–धीरे लोकप्रिय हो रही हैं।

टीकमगढ़ शहर में कुछ सिनेमाघर और मल्टीप्लेक्स मौजूद हैं, लेकिन आधुनिक मनोरंजन सुविधाओं की अभी भी कमी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण लोग डिजिटल मनोरंजन की ओर बढ़ रहे हैं।

टीकमगढ़ किला, ओरछा, राजगढ़ महल, पपौरा जैन मंदिर और बल्देवगढ़ किला जैसे ऐतिहासिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों (दीपावली, होली, रामलीला, गणेश उत्सव) के दौरान लोगों को मनोरंजन के अवसर मिलते हैं। स्थानीय मेलों और उत्सवों में पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और थिएटर का आयोजन किया जाता है।

जिले में कुछ स्टेडियम और खेल मैदान हैं, जहाँ क्रिकेट, फुटबॉल और कबड्डी जैसे खेल खेले जाते हैं। युवा खेल प्रतियोगिताओं और फिटनेस सेंटरों की संख्या सीमित है, जिससे खेल प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। सरकार द्वारा 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' जैसी योजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

विश्लेषण –

टीकमगढ़ जिले में परिवहन, संचार और मनोरंजन सुविधाएँ धीरे–धीरे विकसित हो रही हैं। सड़क परिवहन बेहतर है, लेकिन रेलवे और हवाई सेवाओं का विस्तार करने की जरूरत है। डिजिटल संचार और इंटरनेट सेवाओं में सुधार हो रहा है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या बनी हुई है। मनोरंजन सुविधाओं के लिए अधिक सिनेमाघरों, खेल सुविधाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों की आवश्यकता है। यदि इन क्षेत्रों में और अधिक ध्यान दिया जाए, तो जिले का आर्थिक और सामाजिक विकास तेजी से हो सकता है।

परिवहन –

परिवहन सम्पर्क का साधन, मानव सभ्यता का आदि स्रोत, आधुनिक जीवन का प्रतीक तथा मानव क्रियाकलापों का केन्द्र–बिन्दु है। परिवहन आधुनिक जगत की महान प्रेरक शक्ति है। रेल्वे, सड़क, नदियाँ, नहरें व वायु मार्ग किसी देश की रक्त–परिचालिका, धमनियाँ और शिराएँ हैं। परिवहन न केवल आज के आर्थिक जीवन का प्रयास है वरन् सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक क्षेत्रों के भी स्फूर्ति लाने वाली महान प्रेरक शक्ति हैं। आधुनिक जगत् की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक अंतर्राष्ट्रीय का श्रेय भी आधुनिक परिवहन को ही है जिसने दूरी को समाप्त कर देशों और जातियों को एक दूसरे के निकट लाकर विश्व को एक घर आँगन जैसा बना दिया है। कृषि विकास के लिये परिवहन एवं संदेशवाहक के साधन आदर्श वातावरण प्रदान करते है।

कृषि हमारे देश का प्रमुख व्यवसाय है। देश की राष्ट्रीय आय का लगभग पचास प्रतिशत कृषि से अर्जित होता है। इस व्यवसाय की उन्नति, विकास और आधुनिकीकरण पूर्णतः सड़कों के समुचित विकास और यांत्रिक सड़क वाहनों के ग्रामीण प्रवेश एवं प्रचार पर ही कृषि क्रांति (हरित क्रांति) को सफलता निर्भर है। कृषि क्षेत्र ने दो प्रकार की सड़कों (ग्रामीण सड़के और अन्य जिला सड़कें) विकास–विस्तार की आवश्यकता है। एक वे सड़के जो गाँवो को एक दूसरे से जोड़ती है और जो उन्हें निकटवर्ती मण्डियों से जोड़ती और दूसरी वे

सड़के जो ग्रामीण सड़कों को जिले की सड़कों और मुख्य मार्गों से मिला सकती है।[1] सड़कों और सड़क परिवहन के विकास से कृषि और कृषिक को होने वाले लाभ जैसे आवागवन की सुविधाओं से किसान नगदी फसलें (फल तरकारियाँ, गन्ना, तम्बाकू, जूट तथा तिलहन) अधिक बो सकता है और कृषि स्वरूप सर्वथा परिवर्तित हो सकता है। सड़कों के विकास से गहन कृषि भी संभव है और उत्पदन में अच्छी वृद्धि हो सकती है। सड़क परिवहन ने ग्रामीण परिवेश में बैलगाड़ी परम्परा से प्रचलित लोकप्रिय वाहन है। अध्ययन क्षेत्र जिला टीकमगढ़ में सड़क मार्ग महत्वपूर्ण है। रेल मार्ग पहाड़ी क्षेत्र तथा विकसित प्रशासन के कारण कम विकसित है।

सड़क मार्ग –

किसी भी देश में सड़कें अन्तर्दशीय परिवहन का सर्वोपरि साधन है। किसी राष्ट्र के आर्थिक जीवन में सड़कों का वही महत्व है जो मनुष्य के शरीर में धमनियों का है। जिस प्रकार शिराएँ रक्त परिभ्रमण की क्रिया द्वारा शरीर को स्वस्थ्य एवं सभ्य रखती है वैसे ही सड़के जीवन के आवश्यक उपकरणों, मनुष्यों और माल को देश के कोने–कोने में पहुँचाकर अर्थ व्यवसायी को समृद्धी और सम्पन्न बनाने में सहायक होती है। उत्पादन, विनमय और वितरण के सम्पूर्ण घटनाचक्र का सुचारू एवं सफल संचालन समुचित सड़क जाल पर निर्भर है। क्योंकि वही देश के कोने–कोने को अन्य परिवहन के साधनों से जोड़ती है, खेत और खलियान को कार्यालय और कारखानों को एक दूसरे से मिलाती है। ढुलाई के प्रारम्भिक साधन के नाते सम्पूर्ण ढुलाई व्यवस्था का आदि और अनंत सड़के हैं, सड़कों के बिना परिवहन का अन्य कोई साधन कदापि नहीं पा सकता, क्योंकि सड़के अनेक परिपोषक पथ हैं।

मध्य प्रदेश में यातायात के प्रमुख साधन सड़के तथा रेलवे हैं। मध्य प्रदेश में सड़कों के निर्माण के लिये महत्वपूर्ण सुविधा यह है कि यहाँ निर्माण सामग्री, विशेष रूप से पत्थर लगभग सभी भागों में मिल जाते हैं, अतः उसे दूर से लाने का व्यय नहीं होता। इसके विपरीत मध्य प्रदेश के कुछ भाग विस्तृत पठारी तथा पहाड़ी है जहाँ–नीचे और कटे–फटे प्रदेश की प्रचुरता है और नदियों तथा नालों की संख्या बहुत अधिक है। ब्रिटिश काल की सड़कें तलहटी अथवा बहुत नीचे पुलों पर से नदी का जल बहता है तथा यातायात में व्यवधान होता है। अतः वर्तमान सड़कों पर भी पर्याप्त ऊँचे पुल बनाना आवश्यक है। नियोजित विकास काल में इस ओर ध्यान दिया गया है। नवीन सड़कों के निर्माण का भी इसी कारण मूल्य अधिक बढ़ जाता है।

अध्ययन क्षेत्र टीकमगढ़ में कच्ची तथा पक्की सड़कों का जाल फैला है। टीकमगढ़ जिले में सड़कों या सड़क परिवहन का महत्व अधिक है, उसकी भौतिक रचना के अनुसार रेल मार्ग कम विकसित है। टीकमगढ़ मुख्यालय, सागर, छतरपुर, झाँसी, ललितपुर आदि जिला मुख्यालयों से पक्की सड़कों से जुड़ा है। कुछ राज्य पथों के अतिरिक्त जिला के विभिन्न भागों को मिलाती हुई स्थानीय सड़कों हैं, जिनकी व्यवस्था तथा निर्माण का कार्य स्थानीय संस्थाओं द्वारा ही किया जाता है।

सारणी क्रमांक 1
सड़कों की लम्बाई (कि.मी.)

तहसील	कच्ची सड़कें	पक्की सड़कें	कुल सड़कें
टीकमगढ़	23.60	251.00	274.60
बल्देवगढ़	25.70	213.20	238.90
ज्तारा	ठ6ण्40	371.10	477.50
निवाड़ी	34.50	94.00	128.50
पृथ्वीपुर	68.80	92.50	161.30

स्रोत–कार्यालय यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग, टीकमगढ़, वर्ष 2022–23

सारणी क्रमांक 1 से स्पष्ट होता है कि टीकमगढ़ तहसील में कच्ची सड़के (23.60) सबसे कम तथा जतारा तहसील में (84.40) सर्वाधिक है। पृथ्वीपुर तथा निवाड़ी तहसील द्वितीय स्थान पर है। जिला मे पक्की सड़कों की लम्बाई कच्ची सड़कों की अपेक्षा अधिक होती जा रही है। विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत कच्ची सड़कों को पक्की सड़कों में परिवर्तित किया जा रहा है। परन्तु फिर भी जिला के पूर्वी भाग में स्थित पलेरा

राजस्व निरीक्षण मण्डल के कई ग्राम ऐसे है जहाँ पक्की सड़कों से दूरी 58 कि.मी. से अधिक है। ओरछा राजस्व निरीक्षण मण्डल में कई ग्राम ऐसे है जिनकी पक्की सड़कों से दूरी लगभग 20 किलोमीटर है।

रेल मार्ग–

रेल आधुनिक युग की एक अद्भुत देन है व भौतिकवादी आधुनिक सभ्यता का प्रतीक है। उनका अविष्कार विश्व की एक महान ऐतिहासिक घटना है। जिसने विश्व की अर्थव्यवस्था को नया रूप, नई गति एवं नया जीवन दिया है। रेलों ने दूरियों को कम किया। देश भर में फैले रेल जालों ने विकास को नया आयाम दिया, मध्य प्रदेश में रेलमार्गों का जाल भी बहुत कम है। अतः कुछ भागों में यातायात का एक मात्र साधन सड़क है। रेलमार्ग जिला टीकमगढ़ के उत्तरी भाग से झाँसी मानिकपुर मार्ग ओरछा, निवाड़ी से होकर जाता है, जिसकी कुल लम्बाई मात्र 35 कि.मी. है। पहाड़ी तथा रियासती प्रशासन के कारण जिला में रेल मार्गों का विकास नही हो सका।

संचार –

जहाँ क्षेत्र के विकास के साथ–साथ संचार साधनों का महत्व बढ़ता जा रहा है। संचार की सुविधाओं की क्रान्ती से देश का विकास हुआ, संचार सेवाओं का हर क्षेत्र में महत्व है। संचार सेवाएं एक दूसरे को जोड़ती हैं, चाहे फोन व टेलीफोन पर बात हो या डाक सेवा। अध्ययन क्षेत्र में संचार साधनों में डाक तार विभाग तथा दूरभाष केन्द्र है। जिसका क्षेत्रीय कृषिकों तथा क्षेत्रीय जनों के लिये विशेष महत्व है। वर्ष 1988–89 ऑकड़ों के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में एक प्रधान डाक–घर जो कि टीकमगढ़ राजस्व निरीक्षण मण्डल में है। 18 उप कार्यालय, 159 शाखा कार्यालय, 46 तार कार्यालय, 50 पब्लिक कॉल ऑफिस, 584 टेलीफोन कनेक्शन है। यद्यपि जिला के क्षेत्रफल एवं जनसंख्या की दृष्टि से ये कम हैं। परन्तु इसमें भी विकास कार्यों के साथ–साथ प्रगति हो रही है।

मनोरंजन सुविधाएँ –

संसार के प्रत्येक व्यक्ति की यह इच्छा रहती है कि उसे अत्यधिक से अत्यधिक प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि मिले। मनोरंजन गतिविधियाँ मानव के व्यक्तित्व एवं सामान्य गुणों का विकास करती हैं तथा जीवन को नवीन–नवीन मार्ग दर्शन मुहैया करवाती हैं। मनुष्य की झुझलाहट एवं थकान को दूर करने का प्रयास करती है। इस प्रकार व्यक्ति में नई शक्ति, नया जोश और नये स्वास्थ्य का विकास होता है। ढोल, तमाशे, जादू के खेल तथा अन्य मनोरंजन की गतिविधियाँ जहाँ व्यक्तियों का मन प्रसन्न कर देती है, वहाँ उसे सन्तोष भी मिलता है। आदमी अपने शान्ति एवं प्रसन्नता अनुभव करता है। टीकमगढ़ जिले में व्यक्तियों को तनाव मुक्त एवं प्रसन्न रहने हेतु पर्याप्त मनोरंजन की सुविधाएँ मौजूद हैं। जिले में खेल–कूद से सम्बन्धी सुविधाएँ मौजूद हैं। जिले में पर्यटन स्थल, मन्दिर, सिनेमा घर, रेस्टोरेन्ट पार्क एवं उद्यान इत्यादि मनोरंजन सम्बन्धी सुविधाएँ हैं।[2]

जिले में मनोरंजन अधिकांशतः व्यक्तिगत वस्तु है। मनोरंजन के साधनों मे टी.वी. मोबाइल, किताबें पढ़ना, कैरम बोर्ड और संगीत है। जिले के लोग अपना समय बिताने के लिए समय–समय पर भजन, कीर्तन, नाटक और अपने कलाओं का भी प्रदर्शन करते है। जिले में कवि सम्मेलन, सर्कस, खेल, मेला और जादू का भी आयोजन कर व्यक्ति अपना मनोरंजन करते हैं। आधुनिक समय में मनोरंजन के साधनों मे कोई कमी नहीं है। इण्टरनेट द्वारा मनोरंजन के साधनों में काफी बढ़ोत्तरी हुआ है। इसके साथ ही मोबाइल आधुनिक युग का सर्वाधिक मुख्य मनोरंजन साधन है। इसके द्वारा व्यक्ति फिल्मी गाने तथा अपने जरूरत के अनुसार चीजों को एक साथ में ढूंढ सकता है।

जिले में आज विकास और विज्ञान के विस्तार की वजह से मनोरंजन भी परिवर्तित हो गयी है। व्यक्ति थियेटरों में भरपूर आनन्द लेते हैं। सिनेमा वर्तमान समय का सर्वाधिक लोकप्रिय मनोरंजन का साधन है। आज सिनेमा सभी लोगों का लोकप्रिय बन गया है। जिले में स्मार्ट फोन और टी.वी. द्वारा मनोरंजन को एक नया वरदान दिया है। टेबलेट म्यूजिक प्लेयर्स और कम्प्यूटर अनेक सालों से मनोरंजन के साधनों में वृद्धि हुआ है, जिले के सर्वाधिक व्यक्तियों के पास टी.वी., मोबाइल और अनेक मनोरंजन सम्बन्धी सामग्रियाँ उपलब्ध हैं। जिले में विद्यमान धार्मिक स्थलों एवं पर्यटन स्थलों पर उपस्थित होकर व्यक्तियों का मन प्रफुल्लित हो उठता है।

नगरीय क्षेत्रों में सिनेमा घरों में जाकर व्यक्ति अपना मनोरंजन करते हैं। जिलों में पार्क, देवी देवताओं के मन्दिर एवं खेल सम्बन्धी स्टेडियम इत्यादि विद्यमान है।

टीकमगढ़ जिला में अनुसूचित जाति क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का आकलन करने के लिए प्राथमिक स्तर पर चयनित किये गये व्यक्तियों से अध्ययन क्षेत्र में परिवहन, संचार एवं मनोरंजन के सुविधाओं की समुचित व्यवस्था होने व न होने से सम्बन्धित प्राथमिक तथ्यों को सर्वेक्षण के दौरान एकत्रित किया गया है, जिन्हें संग्रहित करने हेतु साक्षत्कार अनुसूची का उपयोग किया गया है और उन्हें सरल व सुगम्य बनाने के लिए वर्गीकरण के साथ सारणी क्रमांक 1 में प्रस्तुत कर विश्लेषण किया गया है –

सारणी क्रमांक 1

अध्ययन क्षेत्र में परिवहन, संचार एवं मनोरंजन की उचित व्यवस्था होने का विवरण

क्र.	विवरण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	परिवहन, संचार एवं मनोरंजन की उचित व्यवस्था है	218	72.67
2.	परिवहन संचार एवं मनोरंजन की उचित व्यवस्था नहीं है	62	20.67
3.	कुछ कह नही सकते	20	6.67
कुल योग		300	100.00

स्रोत–व्यक्तिगत सर्वेक्षण

उपर्युक्त सारणी के समंको से ज्ञात होता है कि यह अध्ययन क्षेत्र में परिवहन, संचार एवं मनोरंजन की उचित व्यवस्था होने से सम्बन्धित है। शोधकर्ता द्वारा चयन किये गये कुल 300 उत्तरदाताओं में 218 उत्तरदाताओं ने बतलाया कि परिवहन संचार एवं मनोरंजन की उचित व्यवस्था है, जिसको प्रतिशत 72.67 है, 62 उत्तरदाताओं ने बतलाया कि परिवहन, संचार एवं मनोरंजन की उचित व्यवस्था नहीं है, जिनके प्रतिशत 20.67 है और 20 उत्तरदाताओं ने बतलाया कि कुछ कह नहीं सकते, जिनके प्रतिशत 6.67 है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि जिले के विकासखण्डों से चयन किये गये सबसे अधिक उत्तरदाताओं की उपलब्धता होने से अनुसूचित जाति के सदस्यों द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। इससे व्यक्तियों का सामाजिक–आर्थिक विकास सुनिश्चित हो रहा है।

निष्कर्ष:

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि टीकमगढ़ जिले में परिवहन, संचार और मनोरंजन सुविधाएँ धीरे–धीरे विकसित हो रही हैं, लेकिन अभी भी कई चुनौतियाँ बनी हुई हैं। परिवहन क्षेत्र में सड़क नेटवर्क बेहतर है और जिले को प्रमुख शहरों से जोड़ता है, लेकिन रेलवे सेवाओं और हवाई परिवहन का विकास सीमित है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता है। संचार सुविधाएँ तेजी से डिजिटल हो रही हैं, मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाओं का विस्तार हो रहा है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या और धीमी इंटरनेट कनेक्टिविटी बनी हुई है। मनोरंजन सुविधाएँ सीमित हैं। पारंपरिक मेले, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख मनोरंजन स्रोत हैं, लेकिन सिनेमाघरों, खेल सुविधाओं और आधुनिक मनोरंजन स्थलों की कमी महसूस की जाती है। परिवहन के लिए रेलवे विस्तार और सड़क सुधार परियोजनाओं पर जोर दिया जाए। संचार सुविधाओं को बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल टावर और इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार किया जाए। मनोरंजन के लिए खेल स्टेडियम, सिनेमा हॉल और सांस्कृतिक केंद्रों का विकास किया जाए। अगर इन बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए, तो टीकमगढ़ जिले का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास तेजी से संभव हो सकता है।

संदर्भ –

[1] कुरूक्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सेवायें, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, वर्ष 2002, पृष्ठ 39
[2] मिश्र, डॉ. एस.के. – ग्रामीण विकास की धुरी, पंचायती राज, कुरुक्षेत्र, अगस्त, वर्ष 2008, पृष्ठ 10